

No. of Printed Pages : 6

MBG-003

M. A. (BHAGWADGITA STUDIES)
(MABGS)

Term-End Examination
December, 2025

MBG-003 : KARMA SANYASA : ATMASANYAM
EVAM GYANVIGYAN

Time : 3 Hours

Maximum Marks : 100

Note : (i) This question paper is in two Sections. Both Sections are compulsory.

(ii) Attempt questions from both Sections as per instructions given.

Section—A

*Note : Answer any **four** of the following questions.* *4×15=60*

1. Define Self-Control according to the Gītā.

2. Describe the concept of Ekātmanānavavāda in the Gītā.
3. Describe the concept of the Five-Sheathed Personality.
4. Describe the Life in Motion according to the Gītā.
5. Mention the means for controlling the Mind.
6. Describe the Self-Controlled Life according to the Gītā.
7. Describe the different types of means of worship as mentioned in the Gītā.

Section—B

Note : Answer any four of the following questions. 4×10=40

1. Write about the Succession of Yoga.
2. Write a note on Repetition and Detachment.
3. Write a note on Karmasamyāsa.
4. Briefly describe Jñānayoga.

5. Write a note on Universal Love according to the Gītā.
6. Write a note on Mental Health.
7. Explain the following :

उद्धरेदात्मनात्मानं नात्मानमवसादयेत् ।

आत्मैव ह्यात्मनो बन्धुरात्मैव रिपुरात्मनः ॥

MBG-003

एम. ए. (भगवद्गीता अध्ययन)

(एम. ए. बी. जी. एस.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2025

एम.बी.जी.-003 : कर्म संन्यास : आत्मसंयम एवं

ज्ञानविज्ञान

समय : 3 घण्टे

अधिकतम अंक : 100

नोट : (i) यह प्रश्न-पत्र दो खण्डों में है। दोनों खण्ड अनिवार्य हैं।

(ii) दोनों खण्डों में दिए गए निर्देशानुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड – क

नोट : निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

4×15=60

1. गीता के अनुसार आत्मसंयम का निरूपण कीजिए।

2. गीता में एकात्ममानववाद की अवधारणा का वर्णन कीजिए।
3. पंचकोशात्मक व्यक्तित्व की अवधारणा का वर्णन कीजिए।
4. गीता के अनुसार क्रियाशील जीवन का वर्णन कीजिए।
5. मनसंयम के उपायों का वर्णन कीजिए।
6. गीता के अनुसार संयमित जीवन का वर्णन कीजिए।
7. गीता में उल्लिखित उपासना के विभिन्न प्रकार के साधनों का वर्णन कीजिए।

खण्ड—ख

नोट : निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

4×10=40

1. योग की परम्परा का उल्लेख कीजिए।
2. अभ्यास एवं वैराग्य पर टिप्पणी लिखिए।
3. कर्मसंन्यास पर टिप्पणी लिखिए।
4. ज्ञानयोग का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।

5. गीता के अनुसार सार्वभौम प्रेम पर टिप्पणी लिखिए।
6. मानसिक स्वास्थ्य पर टिप्पणी लिखिए।
7. निम्नलिखित की व्याख्या कीजिए :

उद्धरेदात्मनात्मानं नात्मानमवसादयेत्।

आत्मैव ह्यात्मनो बन्धुरात्मैव रिपुरात्मनः ॥

× × × × ×